देशपाल सिंह राठौर
राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजपथ अभियान न्यास
पंजी. Regd. No. 715
RAJPATH ABHIYAN TRUST

राजपथ अभियान न्यास
RAJPATH ABHIYAN TRUST

लोकनीति विश्लेषण, स्थानीय जन संसद आयोजन, युवा राजनीतिक प्रशिक्षण, पंचायती राज प्रतिनिधि रिर्पोट कार्ड

दिनांकः 18.09.2020

प्रिय भाइयो और बहनो,

1. क्या आप बगैर किसी राजनीतिक दल में शामिल हुए राजनीति करना चाहते हैं?
2. क्या आप राजनेताओं के कार्यों का मूल्यांकन और निगरानी के आधार पर उनका रिपोर्ट कार्ड बनाना चाहते हैं?
3. क्या आप अपने भारत विकास एजेंडे पर लोकनीति विश्लेषण और नई विकास नीति तैयार करना चाहते हैं?
4. क्या आप अपने मूल अधिकारों के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहते हैं?
5. क्या आप अपने आस–पास, अपने गांव, ग्राम पंचायत, जिले में वर्तमान लोक नीति के अनुसार स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, असमानता और समान अवसर के लिए बदलाव चाहते हैं?

आइए हम सब मिलकर

राष्ट्रीय अभियान बनें, लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को समझें
तदनुसार कार्य कर भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

आत्मनिर्भर भारत मेरी जिम्मेदारी।
आएगी मेरे भी विकास की बारी ।।

ट्रस्ट निबंधन के समय पर मै ऐसा महसूस कर रहा था कि देश में राजनीतिक समझ वाले व्यक्तियों की बहुत कमी है, एक–एक व्यक्ति पर तीन–तीन पद हैं। एक ही व्यक्ति की विधायक व सांसद के रूप में अनेक बार पुनरावृति हो रही है। परिवार में अगर एक सांसद बन गया तो उन्ही का बेटा एमएलए बनेगा, उसकी बेटी या बहू ब्लाक प्रमुख बनेगी, उनके परिवार का ही व्यक्ति ग्राम प्रधान बनेगा व जिला पंचायत सदस्य बन कर वंशबेल बढ़ाते रहेंगे। राजनीतिक दल और बड़े नेतृत्व वाले लोग उस बरगद के वृक्ष के समान हैं जिनके नीचे कोई सक्षम नेतृत्व नहीं पनप सकता है। इन दलों और सक्षम नेतृत्व के नीचे ऊर्जावान कार्यकर्ता आते रहेंगे और उनकी मनमर्जी के अनुसार उखाड़ कर फेंके जाते रहेंगे। राजनीति में इस समय आम व्यक्ति के लिए भीड़ का हिस्सा बनने के अलावा कोई स्थान खाली नहीं है। यदि आप राजनीति मे, अपना स्थान बनाना चाहते हैं, तो आपको अपनी राजनीतिक समझ विकसित करनी होगी जिसके लिए राजनीतिक प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। वंशवेल क्रम राज रजवाड़ों की तरह चला रहा है। हमें इस क्रम में सुधार करना है। हमें सभी के लिए समानता के अवसर उपलब्ध करने हैं। हमारा प्रयास होगा कि राजनीति में पढ़े लिखे और निष्ठावान व्यक्ति ही आएं जो भारत को महाशक्ति बनाने में विश्वास रखते हो, ताकि राजनीति कुछ खास परिवारों की निजी संपत्ति ;बपौतीद्ध बन कर न रह जाए। प्रशासन किसी नौकरशाह की मनमानी के अनुसार न चलकर संविधान के अनुसार चलें।

हम क्या हैं– हम न्यास/ट्रस्ट अधिनियम 1882 के अंतर्गत नई दिल्ली में पंजीकृत हैं। अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट WWW-rajpathabhiyan-org का अवलोकन किया जा सकता है।

हम क्या करेंगे– न्यास/ट्रस्ट अपनी पहुंच के अनुसार ग्राम पंचायतों नगर निगम वार्डों नगर पालिकाओं छावनी परिषदों (कैंटोनमेंट बोर्ड) में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की सरकारी नीतियों/लोकनीति, लोकप्रशासन का प्रचार प्रसार करने के लिए अपने स्वयंसेवकों को मनोनीत करेगा। यह स्वयंसेवक ग्राम पंचायतों नगर निगम वार्डों, नगर पालिकाओं छावनी परिषदों में सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों की पहचान करने में पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे एवं ग्राम पंचायतों द्वारा नरेगा मनरेगा नीति के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों का भी अध्ययन करेंगे।

web : rajpathabhiyan.org
पत्राचार: 23/672, भूतल, डी.डी.ए. फ्लैट, मदनगीर, नई दिल्ली–110062
Communication Address : 23/672, Ground Floor, D.D.A. Flat, Madangir, New Delhi-110062
Tel.: 9899496782, Email : rajpathabhiyan@gmail.com,dpsinghrathore@gmail.com

हम कैसे करेंगे– न्यास/ट्रस्ट अपने कक्षा 10 उत्तीर्ण एवं अधिक पढ़े लिखे स्वयं सेवकों को ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों जिला पंचायतों, निगम पाषर्द/सभासद तथा विधान सभा सदस्य एवं संसद सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए प्रशिक्षित एवं प्रेरित करने का कार्य करेगा। यह प्रशिक्षण भारत भ्रमण विकास यात्रा के द्वारा किया जाएगा।

भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। आज़ादी पाने के बाद भारत ने बहुआयामी सामाजिक और आर्थिक प्रगति की है। भारत कृषि में आत्मनिर्भर बन चुका है और अब दुनिया के सबसे औद्योगीकृत देशों की श्रेणी में भी इसकी गिनती की जाती है। विश्व का सातवां बड़ा देश होने के नाते भारत शेष एशिया से अलग दिखता है जिसकी विशेषता पर्वत और समुद्र ने तय की है और ये इसे विशिष्ट भौगोलिक पहचान देते हैं। हालांकि भारतीय लोकतंत्र को अपने कार्य के लिए दुनिया भर में सराहा जाता है फिर भी इसमें उत्तरदायी शासन की अभी भी बहुत आवश्यकता है।

न्यास का मानना है कि उत्तरदायी शासन तभी संभव है जब नागरिक केवल मत–पेटी तक ही सीमित न रहकर राजनीतिक रूप से सक्रिय भागीदारी करें। मतदाता का कर्तव्य है कि वह सरकारी और चुने हुए प्रतिनिधियों के कार्य को एकजुट करने का प्रयास करें।

शासन विधि की खामियों के लिए केवल सरकार ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि अनभिज्ञ अलग–थलग पड़े निर्वाचित प्रतिनिधि और प्रशासन भी जिम्मेदार हैं। दूसरा बड़ा कारण मतदाता और स्थानीय सरकार के बीच प्रभावी संवाद का नितांत अभाव है।

देश के अधिकांश राज्यों में मतदाता के मूक गवाह बनने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि वह सरकार और निर्वाचित प्रतिनिधियों से निराश व असंतुष्ट हो चुका है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण किसी भी राज्य में 100 प्रतिशत मतदान का न होना एवं नोटा में बढ़ती हुई मत संख्या है। देश में एक प्रचलन बन गया है कि चुनावी उम्मीदवार चुनावों के समय ही नागरिक की बात सुनते हैं। चुनाव का समय ही वह समय होता है जब निर्वाचित प्रतिनिधि उस अवधि में प्रदर्शन के लिए मतदाताओं द्वारा आकलित किया जाता है। शासन की बढ़ती समस्याओं और नागरिकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को देखते हुए निर्वाचित प्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन और सतत संवाद अति आवश्यक है। चुनावी प्रक्रिया में एक मतदाता अपने मत का समर्थन विभिन्न पहलुओं से निर्धारित करता है जैसे कि उनके अनुभव, राजनीतिक संबंध, उनकी विचारधारा और उसकी जाति।

वर्तमान 6 वर्षों को छोड़कर पिछले दशकों में हमने विभिन्न कारणों से प्रशासन की गुणवत्ता में लगातार गिरावट देखी है। इसके प्रमुख कारण परिवारवाद की राजनीति और राजनीति का व्यवसायीकरण तथा अपराधीकरण है जिससे हमारे देश में शासन का बहुत अधिक अभाव पैदा हो गया है, बढ़ती हुई अशिक्षित, कौशलविहीन जनसंख्या भी इसका बड़ा कारण है। सतत संवाद और निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्य के निष्पादन का मूल्यांकन समय की आवश्यकता बन गया है। हमें विश्वास है कि ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक प्रत्येक निर्वाचित प्रतिनिधि का वार्षिक प्रगति पत्र बनाया जाने लगे तो उनमें स्वतः ही सुधार हो जाएगा। आम नागरिक आज मूक मतदाता है, वह मतदाता जब सरकारी कार्य में अपनी जनभागीदारी सुनिश्चित करेगा तो बहुमूल्य राय प्रदाता बन सकता है।

सरकारी कार्यों में जैसे–जैसे जन भागीदारी बढ़ेगी वैसे–वैसे न केवल दिल्ली में बल्कि देशभर में निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रदर्शन के मानक स्थापित होने शुरू हो जाएंगे।

भारत की लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली

भारत एक लोकतांत्रिक देश है। 1947 में अंग्रेजों के औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भारत को एक लोकतांत्रिक राष्ट्र घोषित किया गया था। आज के समय में हमारे देश को ना सिर्फ विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रुप में जाना जाता है बल्कि इसे विश्व के लोकतंत्रों में से एक सफल लोकतंत्र के रुप में भी जाना जाता है।

भारतीय लोकतंत्र का एक संघीय रूप है जिसके अंतर्गत केंद्र में एक सरकार जो संसद के प्रति उत्तरदायी है तथा राज्य के लिए अलग–अलग सरकारें हैं जो उनके विधानसभाओं के लिए समान रूप से जवाबदेह हैं। भारत के राज्यों में नियमित अंतराल पर चुनाव आयोजित किए जाते हैं। इन चुनावों में कई पार्टियां केंद्र तथा राज्यों में जीतकर सरकार बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। अक्सर लोगों को सबसे योग्य उम्मीदवार का चुनाव करने के लिए अपने

मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है लेकिन भारतीय राजनीति में जातीय समीकरण एक बड़ा कारक होने के कारण ऐसा हो नहीं पाता है।

भारतीय लोकतंत्र का मतलब केवल वोट देने का अधिकार ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता को भी सुनिश्चित करना है ताकि लोकतंत्र को सही मायनों में परिभाषित किया जा सके। सरकार को लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए निरक्षरता, गरीबी, सांप्रदायिकता, जातिवाद के साथ–साथ लैंगिग भेदभाव को खत्म करने के लिए भी काम करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र पांच लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर काम करता हैः

1. **संप्रभुः** इसका अर्थ है कि भारत किसी भी विदेशी शक्ति के हस्तक्षेप या नियंत्रण से मुक्त है।
2. **समाजवादीः** इसका अर्थ है कि सभी नागरिकों को सामाजिक और आर्थिक समानता प्रदान करना।
3. **धर्मनिरपेक्षताः** इसका अर्थ है किसी भी धर्म को अपनाने या सभी को अस्वीकार करने की आजादी।
4. **लोकतांत्रिकः** इसका अर्थ है कि भारत सरकार अपने नागरिकों द्वारा चुनी जाती है।
5. **गणराज्यः** इसका अर्थ है कि देश का प्रमुख एक वंशानुगत राजा या रानी नहीं है।

न्यास का मत है कि भारतीय लोकतंत्र में निम्न क्षेत्रों में सुधार की अत्यंत आवश्यकता है।

1. गरीबी उन्मूलन।
2. साक्षरता को बढ़ावा देना।
3. लोगों को शत प्रतिशत ;100ः द्ध मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना।
4. लोगों को सही उम्मीदवार चुनने के लिए शिक्षित करना।
5. बुद्धिमान और शिक्षित लोगों को नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना।
6. सांप्रदायिकता का उन्मूलन करना।
7. निष्पक्ष और जिम्मेदार मीडिया सुनिश्चित करना।
8. निर्वाचित सदस्यों के कामकाज की निगरानी व मूल्यांकन करना।
9. लोकसभा तथा विधानसभाओं में ज़िम्मेदार विपक्ष का निर्माण करना।

लोकतंत्र वह शासनतंत्र होता है जहाँ वास्तव में सामान्य जनता या उसके बहुमत की इच्छा से शासन चलता है। आज विश्व के अधिकांश देश गणराज्य हैं और इसके साथ–साथ लोकतान्त्रिक भी। भारत स्वयं एक लोकतान्त्रिक गणराज्य है।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट हो जाता है कि व्यापक अर्थ में जीवन केवल राजनीतिक व्यवस्था ही नहीं है, अपितु एक आदर्श जीवनयापन का ढंग है जिससे मानवीय जीवन के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक आदि प्रत्येक क्षेत्र पूर्णतया प्रभावित होते हैं। दूसरे शब्दों में, लोकतंत्र ऐसी व्यवस्था है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से चिन्तन, मनन तथा कार्य करने का समान अवसर प्राप्त होता है। न्यास के मतानुसार यदि आम जन अपने दिन–प्रतिदिन के जीवन के क्रिया–कलापों में तथा व्यवहार में लोकतंत्रीय दर्शन को अपना ले तो उसमें केवल राष्ट्रीय चेतना ही नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना भी विकसित हो जाएगी जिसमें सम्पूर्ण मानव जाति का कल्याण निहित है।

आम भारतीय जन को देश की लोकनीति, विश्लेषण और निर्माण को भी समझना अति आवश्यक है।

1. **संविधान**– भारत में व राज्यों में लोकनीति निर्माण की प्रथम शर्त यह है कि वह संविधान की मूल भावना के विरुद्ध न हों।संविधान की प्रस्तावना व नीति–निर्देशक तत्त्व विभिन्न नीतियों के प्रेरणा स्त्रोत हैं।
2. **संसद**– भारतीय संसद बजट , अनुदान पूरक मांगें , राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा, प्रश्नकाल ,नये कानूनों की स्वीकृति आदि के माध्यम से नीति –निर्माण में भागीदारी करती है। महत्वपूर्ण एवं बड़े नीतिगत फैसलों में संसद की सहमति आवश्यक है। भारत में वैसे तो संघात्मक शासन प्रणाली है परंतु केंद्र को अधिक अधिकार हैं तथा राज्यों को न्यून अधिकार हैं।

3. **मंत्रिमंडल**– संसद में प्रस्तुत किये जाने वाले किसी भी सरकारी विधेयक के लिए मंत्रिमंडल की सहमति आवश्यक है।इस प्रकार मंत्रिमंडल नीति निर्माण का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। संसद द्वारा पारित अधिनियमों के आधीन उनके क्रियान्वयन सम्बन्धी सभी नीतियां मंत्रिमंडल द्वारा बनाई जाती हैं।

4. **राष्ट्रीय विकास परिषद**– परिषद का पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है तथा सभी राज्यों के मुख्यमंत्री भी सदस्य होते हैं। राष्ट्रीय विकास परिषद में राज्यों को अपना पक्ष रखने का मौका मिलता है। पंचवर्षीय योजनाओं के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

5. **न्यायपालिका**– विभिन्न मसलों पर न्यायालय के फैसले एवं सुझाव लोकनीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं, कई विशिष्ट मामलों में संविधान के अनुच्छेद 138 तथा 143 के तहत सर्वोच्च न्यायालय से सलाह ली जाती है। हालांकि संविधान संशोधन को वैध या अवैध ठहराने का अंतिम अधिकार भी सर्वोच्च न्यायालय का है।

6. **राजनैतिक दल**– भारत मे बहुदलीय शासन व्यवस्था है प्रत्येक राजनैतिक दल का अपना–अपना मेनिफेस्टो होता है। सत्ताधारी दल अपने मैनिफेस्टो के अनुसार नीतियां तैयार करते हैं।

7. **परामर्शदात्री समितियां**– सरकार द्वारा समय–समय पर गठित स्थायी एव अस्थायी समितियां सरकार को सुझाव एव सिफारिशें सौंपती हैं जिसके आधार पर उस सम्बन्ध में नीति–निर्धारण कर जन–समूह की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं।

8. **दबाव समूह**– सामान्य हित के आधार पर बने संगठन समूह नीतियों को अपने अनुकूल बनाने के लिए हर सम्भव कोशिश करते हैं एवं आंदोलन या वोट बैंक के माध्यम से, सहयोग या असहयोग के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाए रखते हैं। ट्रेड यूनियन, छात्र संघ, अल्पसंख्यक मोर्चा, महिला उत्पीड़न संघ, कर्मचारी संगठन आदि दबाव समूह के उदाहरण हैं।

9. **मीडिया या जन–संचार के साधन**– वर्तमान में जन–संचार माध्यम जनमत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वतन्त्र मीडिया सरकारी कार्यक्रमों , नीतियों एव सरकार की अच्छाई –बुराई की स्वतंत्र समीक्षा कर अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी का कार्य करता है। नीति–निर्माण में मीडिया की राय अहम है। मीडिया स्वयं एक सशक्त दबाव समूह है। यह नीतियों को प्रभावित करने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

आम भारतीय जन को देश की कार्यपालिका, विधायिका और इनसे संबंधित अन्य निकायों के बारे में समझने की अति आवश्यकता है।

1. **कार्यपालिका**–संघीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद शामिल हैं।

2. **राष्ट्रपति**–राष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचिका के सदस्यों द्वारा किया जाता है जिसमें संसद के दोनों सदनों के चयनित सदस्य, समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्यों में विधान सभा के सदस्यों के द्वारा एकल अंतरणीय मत के द्वारा होता है। राज्यों के बीच परस्पर एकरूपता लाने के लिए तथा सम्पूर्ण रूप से राज्यों और केंद्र के बीच संगति लाने के लिए प्रत्येक मत को उचित महत्व दिया जाता है।

   केंद्र की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति को प्राप्त है और उसके द्वारा प्रत्यक्ष रूप से या उसके आधीन अधिकारियों के जरिए संविधान के अनुसार अधिकार का प्रयोग किया जाता है। संघ के रक्षा बलों का सर्वोच्च शासन भी उसी का होता है।

3. **उप राष्ट्रपति**–उप राष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचिका के सदस्यों द्वारा होता है जिसमें एकल हस्तांतरीय मत द्वारा समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार संसद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं। उप राष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है।

4. **मंत्री परिषद**–राष्ट्रपति को उनके कार्यों में सहायता करने और सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्री परिषद होती है। प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है वह मंत्री की सलाह पर अन्य मंत्रियों की भी नियुक्ति करता है। परिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदयी होती है। संघ के प्रशासन या

कार्य और उनसे संबंधित विधानों और सूचनाओं के प्रस्तावों से संबंधित मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों की सूचना राष्ट्रपति को देना प्रधानमंत्री का कर्तव्य है। मंत्री परिषद में मंत्रीपरिषद के मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्री होते हैं।

विधायिका–संघ की विधायिका को संसद कहा जाता है। यह राष्ट्रपति और दो सदनों, जो राज्य परिषद (राज्य सभा) और जनता का सदन (लोक सभा) कहलाते हैं, से बनती है। प्रत्येक सदन को इसके पिछली बैठक के बाद छह माह के अंदर बैठना होता है। कुछ मामलों में दो सदनों की संयुक्त बैठक की जा सकती है।

1. **राज्य सभा**–संविधान में यह व्यवस्था है कि राज्य सभा में 250 सदस्य होंगे उनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामित होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा के संबंध में विशेष जानकारी या व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो।
2. **लोक सभा**–लोक सभा जनता के प्रतिनिधियों की सभा है जिनका चुनाव वयस्क मतदान के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव के द्वारा होता है। वर्तमान में लोक सभा में 545 सदस्य हैं। लोक सभा का कार्यकाल जब तक कि इसे पहले भंग न किया जाए इसकी पहली बैठक से नियुक्ति की तारीख से पांच वर्ष का होता है।
3. **संसद के कार्य और अधिकार**– भारत की संसद के विधायिका के कार्डिनल कार्य, प्रशासन की देखभाल, बजट पारित करना, लोक शिकायतों की सुनवाई और विभिन्नं मुद्दों पर चर्चा करनी होती है जैसे विकास योजनाएं, राष्ट्रीय नीतियां, और अंतरराष्ट्रीय संबंध। केन्द्र और राज्यों के बीच अधिकारों का वितरण, जो संविधान में बताए गए हैं। अनेक प्रकार से संसद का सामान्य प्रभुत्व विधायी क्षेत्र पर है। सभी विधानों को संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति आवश्यक है।
4. **युवा संसद प्रतिस्पर्धा**–युवा पीढी में लोकतंत्र की बुनियाद विकसित करने के लिए मंत्रालय द्वारा विद्यालयों और महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों की विभिन्नि श्रेणियों में युवा संसद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जाता है। युवा संसद योजना को सर्व प्रथम 1966–67 में दिल्ली के विद्यालयों में आरंभ किया गया था।

लोकनीति, विश्लेषण और कार्यान्वयन एवं विधायी कार्यों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए न्यास अपने सदस्यों को निम्न तीन स्तरों पर प्रशिक्षित करेगा।

1. प्राथमिक स्तर ;जिला स्तरद्ध
2. माध्यमिक स्तर ;राज्य स्तरद्ध
3. स्नातक स्तर ;राष्ट्रीय स्तरद्ध
4. न्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड, तहसील, जिला, मंडल प्रदेशों अन्य राज्यों व राष्ट्रीय राजधानी में भी आयोजित किया जाएगा। तीनों स्तरों पर सदस्यों को प्रशिक्षत करने के लिए आदर्श प्रतिष्ठानों का शैक्षणिक भ्रमण, विधान सभाओं और संसद का भ्रमण कराया जाएगा। विकास यात्रा भ्रमण के माध्यम से एक प्रदेश की विधानसभा अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों का भ्रमण तथा प्रसिद्ध मंत्री, समाजसेवी व्यवसायी आदि से भेंटवार्ता करवाई जाएगी। कुछ वर्षों के बाद ग्लोबल विकास यात्रा अर्थात् 5 देशों की यात्रा करवाई जाएगी जिसमें विकसित राष्ट्र व संयुक्त राष्ट्र संघ की परियोजनाएं भी शामिल होंगी।
5. न्यास के प्रत्येक सदस्य को लोकनीति, विश्लेषण और अध्ययन, सार्वजनिक नीति, कार्यान्वयन, सरकारी नीति निर्माण, प्रभाव और कार्यान्वयन का अध्ययन कराया जाएगा। ग्राम पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका, विकासखंड तथा जिला प्रबंधन का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।
6. न्यास अपने सदस्यों को विकास का इंजन बनाने के साथ–साथ विभिन्न स्तरों पर निगरानी व सतर्कता के अग्रदूत के रूप में स्थापित करेगा तथा पंचायती राज संस्थाओं विधान सभा सदस्य तथा संसद सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए प्रशिक्षित और प्रेरित करेगा।
7. जब आप प्रायोगिक रूप से शिक्षित होंगे तभी देश में सदियों से व्याप्त अनियमितताएं समाप्त कर शिक्षा, उद्योग और राजनीति में अपना स्थान बना पाएंगे।

8. विधानसभा सत्रों, संसदीय सत्रों के समापन के बाद उनमें कृत कार्यवाही के विश्लेषण के लिए जगह–जगह जन संसद आयोजित की जाएंगी।

9. न्यास अपने सदस्यों के परिवारों तक अपना संबंध बढ़ाएगा, परिवार सदस्यों को शिक्षा और व्यवसाय के क्षेत्र में मार्गदर्शन करेगा।

10. न्यास की सदस्यता राष्ट्र स्तर पर द्वार खोलने के साथ–साथ आपके पूरे परिवार के लिए विश्व के द्वार भी खोलेगी।

आइये हम सब मिलकर स्वराज्य के लिए राष्ट्रीय अभियान बनें लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को समझें तदनुरूप कार्य कर भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

आत्मनिर्भर भारत मेरी जिम्मेदारी ।
मैं बदलूंगा तो जग बदलेगा ।।

फोन नंबरः 9899112882, 9899496782, 9899112832

ईमेल : rajpathabhiyan@gmail.com, dpsinghrathore@gmail.com

वंदे मातरम, जय भारत जय हिंद

सादर

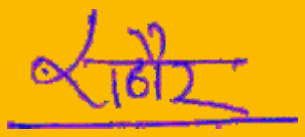

देशपाल सिंह राठौर
राष्ट्रीय अध्यक्ष/मुख्य प्रबंध न्यासी/प्रस्तावक
राजपथ अभियान न्यास

फॉर्म 'क'

काल–खण्ड..... दिनांक..... क्र.सं0.....

"**राजपथ अभियान न्यास**" ..... प्रदेश.....

सक्रिय सदस्यता आवेदन–पत्र

मै भारत का नागरिक हूँ ☐ मेरी आयु 18 से अधिक है ☐

मै दिवालिया एवं नैतिक अपराध का दोषी नही हुँ ☐ मैने कक्षा .....उत्तीर्ण किया है।

मैं ..... "**राजपथ अभियान न्यास**" का सदस्य/सदस्या बनना चाहता/चाहती हूँ। मेरी आयु 18 वर्ष से अधिक है।

नाम ..... जन्म तिथि.....

पिता/पति का नाम ..... लिंग : पुरुष..... स्त्री.....

व्यावसायिक शिक्षा ..... शिक्षा ..... सामाजिक वर्ग .....

कारोबार का पता..... जिला..... स्थाई पता .....

संसदीय क्षेत्र नाम.....क्रमाक..... वर्तमान पता .....

विधान सभा नाम .....क्रमाक .....

शहर..... विकास खंड..... थाना ..... तहसील .....

पिन कोड..... वार्ड/ग्राम.....

दूरभाष ..... मतदान केंद्र नं0..... ई–मेल..... व्यवसाय.....

आधार कार्ड संख्या ..... चुनाव पहचान पत्र संख्या .....

आपके निवास स्थान से 25 किमी. की परीधि में स्थित प्रसिद्ध स्थल (Land Mark).....

व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सरकारी कार्यालय, गन्ना मिल (Sugar Factory) .....

सदस्य बनाने वाले व्यक्ति प्रार्थी के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान .....

अनुमोदन कर्ता का नाम.....

अनुमोदन कर्ता का हस्ताक्षर.....

Form A

Time period..... Date ..... Serial Number .....

Rajpath Abhiyan Trust..... State.....

Active membership application form

That I am Indian citizen ☐ My age is above 18 year ☐

I have not been involved in any immoral and financial crime ☐ I am class ..... passed

I ..... wish to be a Active member of **Rajpath Abhiyan Trust,** I will follow the constitution of Rajpath abhiyan trust .

Name .....Date of Birth .....

Father/Husband Name .....

Male..... Female..... Professional Education .....

Social Section..... Business Address..... District .....

Permanent Address .....

Name of Lok Sabha Constituency..... No.....

Name of Legislative Assembly..... N.....City.....

Development Block.....Police Station.....Tahsil ..... pincode.....

Corporation ward Gram Panchayat .....Election booth centre .....

Mobile no. ----------email address.....Business .....

Aadhar Card No. ..... Voter ID Card No. .....

Name of any famous place within 25 kilometre from your residence..... any big Commercial establishment near your residence .....

Primary membership Fees Rupees 1000 (One thousand)

सदस्यता शुल्क

सक्रिय सदस्य ₹1000 सदस्यता फार्म के साथ जमा करेंगे यह शुल्क 3 वर्षों के लिए लागू होगा।

प्रदेश स्तर पर कार्य करने के लिए ₹5000 आजीवन

राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने के लिए ₹10000 आजीवन

संरक्षक सदस्य ₹100000 आजीवन

कोई ऐसा व्यक्ति जो कक्षा 10 पास है एवं ट्रस्ट के साथ समाज सेवा करना चाहता है और वह ₹1000 एक बार में देने में असमर्थ है तब यह शुल्क दो बार में दिया जा सकता है अथवा चार लोग मिलकर सदस्यता ले सकते हैं लेकिन ट्रस्ट का पहचान पत्र एक ही व्यक्ति को दिया जाएगा जो सक्रिय सदस्य कहलाएगा बाकी तीन सदस्य सदस्य कहलाएंगे।

कोई भी योग्य व्यक्ति जो प्रदेश स्तर पर कार्य करने का इच्छुक है एवं ₹5000 एक बार में देने में असमर्थ है तो वह यह सदस्यता शुल्क दो बार में दे सकता है।

कोई भी योग्य व्यक्ति जो राष्ट्र स्तर पर कार्य करने का इच्छुक है और एक बार में ₹10000 देने में असमर्थ है वह व्यक्ति 2 वर्ष में शुल्क अदा कर सकते हैं।

ट्रस्ट को एक बार में ₹10000 सदस्यता शुल्क देने वाले व्यक्ति को व्यक्ति को स्नातक स्तर का राजनीतिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया जाएगा। ऐसे व्यक्ति को ऑनलाइन पढ़ाई और काउंसलिंग की सुविधा दी जाएगी स्टडी मटेरियल वीडियो के रूप में उपलब्ध रहेगा। वीडियो इन्हें उपलब्ध भी करवाए जाएंगे एवं ऑनलाइन लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

अपनी योग्यता, क्षमता और अनुभव के अनुसार ट्रस्ट में कार्य करने के लिए अपने स्तर का चुनाव करें।

जिला स्तर ☐
प्रदेश स्तर ☐
राष्ट्र स्तर ☐

सदस्यता शुल्क बैंक खाते में जमा होने के बाद वापस नहीं किया जाएगा।

प्रार्थी के हस्ताक्षर .....

Bank Detail :
STATE BANK OF INDIA
Account No. (CA): 39608584964
IFSC: SBIN0003771
Add.: Rail Bhawan, Ministry of Rail, New Delhi - 110001 PH
Phone No. : 011-23389733

EMAIL: SBI.03771@SBI.CO.IN
(Membership form and bank deposit slip/online transaction number should be send through whatsapp or email)

जीवन वृत

नाम : देशपाल सिंह राठौर

पिता का नाम : स्व० श्री दुर्गपाल सिंह राठौर

माता का नाम : श्रीमती सुशीला देवी

जन्म तिथि : 22–01–1967

पता : 23/672, भूतल, डी डी ए फ्लेट, मदनगीर, नई दिल्ली–110062
: 09899112882, 9899496782 (Whatsapp and Tango),
ईमेल : dpsinghrathore@gmail.com, ceoapnews@gmail.com

शैक्षिक योग्यता

1. वी.एस.सी. रुहेलखण्ड विश्व विद्यालय – बरेली उत्तर प्रदेश
2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कम्प्युटर एपलीकेशनस – कुरुक्षेत्र कालेज, नई दिल्ली
3. स्नातकोत्तर डिप्लोमा, सेल्स एवं मार्केटिंग – इंदिरा गांधी रा० मु०, विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. डेयरी एवं पशुपालन में डिप्लोमा – राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल, हरियाणा
5. एन.सी.सी. बी सटीफिकेट – बरेली कालेज, बरेली
6. स्नातकोत्तर डिप्लोमा जर्नलिजम एवं मास कम्युनिकेशन अध्यनरत इदिरा गांधी रा० मु०, विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

हिंदी सलाहकार समिति इस्पात मंत्रालय

- 15–11–2016 को इस्पात मंत्रालय भारत सरकार की हिंदी सलाहकार समिति में अनुमोदित सदस्य विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नामित किया गया था मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की सभी बैठकों में भाग लिया जो 15. 11 .2016 से 30 मई 2019 तक निम्न तिथियों को आयोजित हुई थी।
- पहली बैठक 19 नवंबर 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर मैगनोलिया हाल नई दिल्ली।
- दूसरी बैठक 11 सितंबर 2017 अशोक होटल नई दिल्ली।
- तीसरी बैठक 5 जुलाई 2018 इंदौर मध्य प्रदेश।
- चौथी बैठक 21 जनवरी 2019 औरंगाबाद महाराष्ट्र।
- तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र विशाखापट्टनम के हिंदी समन्वयक सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में 27 दिसंबर 2016 को विशाखापट्टनम में आमंत्रित किया गया।
- राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली में आयोजित हिंदी समारोह सम्मेलन के उद्घाटन के लिए 12 सितंबर 2018 को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मान

1. समाज सेवा रत्न सम्मान–2012: अखिल भारतीय स्वतंत्र लेखक मंच महाकवि बिहारी लाल स्मृति समारोह सम्मेलन 2012 में समाजसेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।
2. राजभाषा गौरव सम्मान 2014: अखिल भारतीय कवि सभा द्वारा 14 सितम्बर 2014 को राजभाषा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।
3. स्वामी विवेकानंद एवं सिस्टर मार्गरेट अवॉर्ड 2016: समाज सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वामी विवेकानंद एवं सिस्टर मार्गरेट अवॉर्ड 2016 समाज 1 जुलाई 2016 को सम्मानित किया गया।
4. अध्यात्म रत्न सम्मान–2016: आध्यात्मिक पथ मासिक पत्रिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 31 जुलाई 2016 को अध्यात्म रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।
5. नागरी सेवा सम्मान–2017: नागरी लिपि परिषद पंजीकृत द्वारा 11–10–2017 को नागरी लिपि सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।
6. मानव अधिकार संरक्षण रत्न सम्मान 2018: अखिल भारतीय मानवाधिकार निगरानी समिति पंजीकृत द्वारा 10 दिसंबर 2018 को आयोजित कार्यक्रम में मानव अधिकार संरक्षण रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

राजभाषा हिंदी प्रचार

राजभाषा हिंदी प्रचार प्रसार के लिए 50 राष्ट्रीय कार्यक्रम (हिंदी दिवस) एवं विश्व हिंदी दिवस व सांस्कृतिक कार्यक्रम–राष्ट्रीय आयोजन

हिंदी संगोष्ठी कवि सम्मेलन सहित तिरुवनन्तपुरम केरल में अखिल भारतीय राजभाषा हिंदी सम्मेलन एवं कार्यशाला 26–28 मई 2016, उदय समुद्र लीज्योर बीच होटल एंड़ स्पा, कोवलम 110 सरकारी प्रतिभागियों का राष्ट्रीय आयोजन। 2–4, अक्टूबर 2016 गोवा, 12–14, अक्टूबर 2017 पुरी, ओडिशा, 18–20, फरवरी 2019, पुरी, ओडिशा, 30,31 मई व 1 जून 2019 तिरूवनन्तपुरम, केरला।

लेखन

राजभाषा प्रबंधन पुस्तक

इस पुस्तक में भारत सरकार की राजभाषा नीति को सफलता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए कुशल प्रबंधन के उपाय दिए गए हैं। साथ ही भारत सरकार की राजभाषा नीति, उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के 21 सूत्र देवनागरी लिपि और हिंदी की मानक वर्तनी, हिंदी में श्रेष्ठ नोटिंग करने के उपाय, हिंदी में अच्छे मसौदा तैयार करने के तरीके उदाहरण सहित दिए गए हैं।

संपादन

अंतिम प्रवक्ता मासिक पत्रिका एवं पोर्टल दैनिक का 12 वर्षों से निरंतर संपादन। www.antimpravakta.com

यूट्यूब चैनल Antim Pravakta Media Product and Services Pvt. Ltd.

राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका छमाही 16 वर्षों निरंतर संपादन। www.parivartanjankalyansamiti-delhi.org

समाज सेवा

संस्थापक अध्यक्ष परिवर्तन राजभाषा अकादमी (न्यास)
राजभाषा, मानव अधिकार, श्रम कल्याण, महिला एवं बाल विकास
आर्य समाज– उपाध्यक्ष, आर्य समाज मंदिर, मदनगीर, नई दिल्ली
उपाध्यक्ष– दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन, नई दिल्ली

मीडिया एवं राजनैतिक सलाहकार

श्री लक्ष्मण गिलुवा, माननीय पूर्व सांसद सदस्य, लोकसभा, पूर्व सांसद श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, पूर्व सांसद श्री राघुराज सिंह शाक्य, पूर्व सांसद कै० जयनारायण प्रसाद, निषाद एवं पूर्व सांसद श्री कमल किशोर

श्री विष्णुदेव साई, माननीय इस्पात राज्य मंत्री भारत सरकार के साथ हिंदी सलाहकार समिति की बैठक, औरंगाबाद

श्री संतोष कुमार गंगवार माननीय श्रम मंत्री, स्वतंत्र प्रभार भारत सरकार के साथ देशपाल सिंह राठौर दीप प्रज्जवलित करते हुए

श्री संतोष कुमार गंगवार माननीय श्रम मंत्री, स्वतंत्र प्रभार
भारत सरकार के साथ देशपाल सिंह राठौर

मंचासीन डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय केन्द्रिय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
देशपाल सिंह राठौर, संस्था अध्यक्ष एवं श्री आर पी सिंह

श्री माता प्रसाद पूर्व राज्यपाल अरूणाचल प्रदेश, श्री श्याम जाजू
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा व श्री अशोक कुमार चौहान पूर्व विधायक
के साथ देशपाल सिंह राठौर, डॉ. जीवीएस प्रसाद निदेशक कार्मिक
(राष्ट्रीय स्पात निगम) को सम्मानित करते हुए

श्री धमेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक
गैस व इस्पात राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, भारत सरकार के
साथ भेट वार्ता करते हुए श्री देशपाल सिंह राठौर

हिंदी सलाकार समिति बैठक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार
11 सितम्बर 2017, अशोक होटल, नई दिल्ली

श्री मुख्तार अब्बास नकवी, केन्द्रीय अल्प संख्यक राज्य मंत्री,
भारत सरकार के साथ मंचासीन देशपाल सिंह राठौर

श्री देशपाल सिंह राठौर को पुष्प गुच्छ देते हुए श्री संतोष कुमार गंगवार,
माननीय श्रम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार

केन्द्रीय मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी के साथ
सम्मान वितरण करते हुए देशपाल सिंह राठौर

श्री पारस सरवइया, अनुभाग अधिकारी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार को श्रीमती अनीता जोशी, एनडीएमसी नई दिल्ली, श्री गजेन्द्र कुमार मेसी, समूह महा प्रबंधक, रेलवे सूचना प्रणाली के साथ प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए देशपाल सिंह राठौर

हिंदी सलाहकार समिति बैठक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार
5 जुलाई 2018, इंदौर, मध्य प्रदेश

श्री अजय निषाद, संसद सदस्य, लोकसभा के साथ देशपाल सिंह राठौर

15वें श्रमिक सम्मेलन का उद्दघाटन करते हुए डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड़, माननीय संसद सदस्य, लोकसभा एवं देशपाल सिंह राठौर, संस्थापक अध्यक्ष

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में हिंदी कार्यक्रम का उद्घाटन, 12 सितम्बर 2018 को

डॉ. सत्यनारायण जटिया, माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा एवं उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति के साथ देशपाल सिंह राठौर

डॉ. सत्यनारायण जटिया, माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा, उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, सम्मेलन को संबोधित करते हुए

डा. सुनील बलिराम गायकवाड़, संसद सदस्य एवं सदस्य संसदीय हिंदी द्वितीय समिति के साथ श्रम सम्मेलन का उद्घाटन, कॉस्टीट्यूशन क्लब
30 जुलाई 2018

मेरी 30 वर्षों की समाज सेवा यात्रा

मेरी 30 वर्षों की समाजसेवा की एक कहानी है जो अत्यंत रोचक है। बात इस प्रकार है कि मैं दिसंबर, 1989 में कुछ पुस्तकें और कुछ कपड़े लेकर बरेली कॉलेज के हॉस्टल से भारतीय प्रशासनिक अधिकारी बनने के लिए दिल्ली आया था। जब मैं संघ लोक सेवा आयोग में परीक्षा पत्र दाखिल करने गया तो देखा कुछ लोग हिंदी का तंबू ताने बैठे हुए हैं, उनमें एक व्यक्ति मुझे कुछ परिचित लगे। जब मैंने उनसे पूछा तो उन्होंने अपना नाम राजकरण सिंह बताया, वे बाराबंकी के रहने वाले निकले। उनका जन्म सन 1954 ई, में हुआ था। मैं उनके पास बैठ गया। राजकरण सिंह ने मुझसे पूछा कि यहां किसलिए आए हो, मैंने आने का प्रयोजन बताया कि मैं कलेक्टर बनने के लिए यहाँ परीक्षा की तैयारी करने के उद्देश्य से आया हूँ। राजकरण सिंह ने कहा कि हम तो तुम्हारी लड़ाई पहले से लड़ रहे हैं। आप इस अंग्रेजी के महा समुद्र से कैसे पार पाओगे? मेरी बात समझ में आई और मैं चोरी छुपे धरने पर बैठने लगा, राजकरण सिंह मुझे सामने नहीं आने देते थे।

राजकरण सिंह कहते थे कि तुम्हें सरकारी नौकरी करनी है इसलिए कभी मेरे साथ फोटो मत खिंचवाना मुझे पुलिस पकड़ कर ले जाये, उस समय तुम मुझसे नहीं मिलना। क्योंकि राजकरण सिंह उत्तर प्रदेश के विष्णुपुरा गांव जनपद बाराबंकी के रहने वाले थे, जो मेरे गृह जनपद बरेली से कुछ किलोमीटर पर है इसलिए उनके साथ मेरा बहुत गहरा लगाव था। उन्होंने हिंदी के लिए 16 वर्षों तक अनवरत संघ लोक सेवा आयोग के सामने आंदोलन चलाया और 29 दिनों का आमरण अनशन किया जो विश्व में भारतीय भाषा के लिए सबसे बड़ा आंदोलन माना जाता है। जब हिंदी आंदोलनकारियों ने राजकरण सिंह का साथ छोड़ दिया और वह सीता राम बाजार में रहने लगे तब सात सालों तक मेरे साथ रहे और परिवर्तन जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित हिंदी कार्यक्रमों में कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे।

25 अक्टूबर 2011 को संस्था की ओर से 'राष्ट्र भाषा भारती' स्मारिका प्रकाशित करने के बाद वे विष्णुपुरा जाना चाह रहे थे उसी दिन यानी 25 अक्टूबर, 2011 की शाम को हमने साथ खाना खाया और उसके बाद उनके दर्शन नहीं हुए। मैं उनका अनुसरण करता रहा पढ़ाई भी की लेकिन भारतीय प्रशासनिक अधिकारी बनने में सफलता नहीं मिली। दिल्ली में रहकर कई और कोर्सेज किए पत्रकार बन गया और फिर परिवर्तन जन कल्याण समिति के नाम से 1999 में संस्था बनाई। 16 अगस्त 1988 से जो हिंदी का आंदोलन चला था वह दम तोड़ने लगा था। यह आंदोलन 2004 में समाप्त हुआ। हालांकि इस आंदोलन में तीन–तीन प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति शामिल हुए और वे सभी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे। सभी चाहते थे कि भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाएं हिंदी एवं सभी भारतीय भाषाओं में हो लेकिन यह एक भ्रम बना रहा और यह आंदोलन अपनी बहु आयामी छाप नहीं छोड़ पाया। इसके लिए कई लोगों ने बड़ी–बड़ी कुर्बानियां दीं, विज्ञान भवन में हिंदी आंदोलनकारियों की पिटाई भी हुई श्री पुष्पेंद्र चौहान लोक सभा की दीर्घा से नीचे कूद गए।

राजकरण सिंह को कितने बार थाने में बंद किया गया, फिर छोड़ा फिर बंद किया गया यह क्रम चलता गया और आखिर राजकरण सिंह हिंदी का दर्द लेकर इस दुनिया से 31 अक्टूबर 2011 को चले गए।

हिंदी आंदोलन के समय ही मेरी मुलाकात श्री अनिल शास्त्री (पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री) के बेटे से हुई। मैं शास्त्री जी के जीवन से उस समय काफी प्रभावित हुआ और उनका जीवन दर्शन जानने के लिए उनके स्मारक ट्रस्ट जनपथ पर काफी समय तक अपनी सेवाएं दी। लाल बहादुर शास्त्री की समाधि पर मेरी भेंट पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह से हुई और उसी संबंध में पहली बार संसद भवन भी गया। 4 दिसंबर 2012 का दिन मेरे लिए राष्ट्रीय राजनीति में छा जाने का एक सुनहरा अवसर था। श्री श्याम रुद्र

पाठक के साथ मुझे श्रीमती सोनिया गांधी (उस समय यूपीए की चेयरपर्सन) के आवास 10 जनपद के सामने **'न्यायालय की भाषा हिंदी'** हो विषय को लेकर धरने पर बैठना था। क्योंकि उस समय के कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता श्री ऑस्कर फर्नांडिस और श्रीमती सोनिया गांधी के विश्वासपात्र से मेरी व्यक्तिगत मित्रता थी। ऑस्कर जी मेरे कई कार्यक्रमों में अतिथि बनकर आ चुके हैं इसीलिए मैंने उनके दरवाजे पर धरना देना उचित नहीं समझा, लेकिन श्याम रुद्र पाठक अपनी जिद पर अड़ गए और धरने पर बैठ गए। उसी दिन शाम को पुलिस पकड़ कर श्याम रुद्र पाठक को तुगलक रोड थाने ले गई। थाने में जब मेरी मुलाकात श्याम रुद्र पाठक से हुई तो पाठक जी ने कहा कि देशपाल तुमने मुझे धोखा दिया। मैंने कहा भैया धोखा तो नहीं दिया है पर यह समय धरने पर बैठने के लिए मेरे लिए अनुकूल नहीं है। मैं हिंदी की लड़ाई के लिए और अधिक समय का इंतजार करना चाहता हूँ। श्याम रुद्र पाठक अकेले ही धरने पर बैठते रहे। रात को पुलिस पकड़ कर रोज तुगलक रोड थाने ले जाती रही। मैं उनसे मिलने बराबर जाता रहा। लेकिन 18, जुलाई, 2013 का दिन आया जब तुगलक रोड थाने की पुलिस ने श्याम रुद्र पाठक को जेल भेज दिया। श्याम रुद्र पाठक ने जमानत के लिए अर्जी नहीं दी इसलिए उन्हें 5 दिनों तक जेल में रहना पड़ा।

आज के परिदृश्य में मैं देखता हूं कि यदि मैं धरने पर बैठता तो मैं भारत सरकार के द्वारा कभी भी इस्पात मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति में नामित नहीं किया जाता। 4 दिसंबर 2012 से अच्छा दिन मेरे लिए 19 नवंबर 2016 आया जिस दिन मुझे इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया। इस्पात मंत्रालय में नामित होकर मैंने राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन के लिए बहुत से सुझाव दिए जिन्हें अधिकतर स्वीकार कर लिया गया।

अक्टूबर 2015 में मेरी मुलाकात श्री रवि चाणक्य, नरेंद्र मोदी विचार मंच, के संस्थापक अध्यक्ष से हुई। रवि जी ने मुझ से प्रभावित होकर मुझे बहुत जल्दी महा सचिव संगठन घोषित किया और दक्षिण भारत ;द्रविड़ प्रदेशोंद्ध के प्रदेशों की जिम्मेदारी संगठन को खड़ा करने की मुझे दी। रवि जी के साथ कार्य करके संघ के बड़े–बड़े पदाधिकारियों से मिला। हालांकि इससे पूर्व में कई सांसदों का सलाहकार सचिव रह चुका था। मुझे संसद के प्रश्न बनाने का बहुत शौक है। इसलिए मैं शौक के तौर पर श्री राधा मोहन सिंह, सांसद, कैप्टन जयनारायण प्रसाद, निषाद,श्री रघुराज सिंह शाक्य, सांसद श्री कमल किशोर, सांसद श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सांसद, श्री लक्ष्मण गिलुवा, सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा, झारखंड, सदस्यों के संसदीय प्रश्न बनाने लगा।

इसी समय मैंने धार्मिक यात्राएं भी कीं हरिद्वार से लेकर मथुरा, बालाजी मेहंदीपुर, महाकालेश्वर उज्जैन, त्रंबकेश्वर, साईं बाबा, सिगनापुर नासिक, मीनाक्षी मंदिर मदुरई, रामेश्वरम, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम, पद्मनाभस्वामी मंदिर, त्रिवेंद्रम, सबरीमाला, केरल के और कई मंदिर सोमनाथ, नागेश्वर, द्वारिका, पुरी उड़ीसा, जगन्नाथ, बाबा विश्वनाथ, औरंगाबाद, इंदौर, ओमकारेश्वर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, मसूरी, देहरादून की धार्मिक यात्राएं संपन्न हुई।

मित्रो धार्मिक, सामाजिक यात्राओं से, अपने राजनीतिक जीवन से, राजभाषा हिंदी आंदोलन से, जो कुछ भी सीखा, अब वह समय आ गया है कि आप सबको ;समाजद्ध को वापस करूं। इसी उद्देश्य को लेकर यह न्यास बनाया है और यह न्यास मंच के रूप में आप सबके हाथों में देता हूँ। आप इस मंच का प्रयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय की नीतियों में बदलाव व समग्र विकास, राजभाषा से राष्ट्रभाषा हिंदी बनाने के लिए कर सकते हैं।

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
आषाढ़ 26, शक संवत् 1941
17 जुलाई, 2019

श्री देशपाल सिंह राठौर जी,

2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और एनडीए को मिली ऐतिहासिक जीत पर शुभकामनाएं भेजने के लिए धन्यवाद।

ये नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि देश की 130 करोड़ जनता ने एक बार फिर विकास की राजनीति और सुशासन को चुना है। देश की जनता ने एक मजबूत और स्थिर सरकार के पक्ष में मतदान किया है, जिसमें युवाओं की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का सामर्थ्य है।

बीते पांच सालों में एनडीए सरकार ने जो अभूतपूर्व फैसले लिए हैं उनसे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। पिछले पांच वर्षों में जो कार्य हुए हैं उनसे मेरा यह विश्वास पक्का हो जाता है कि सच्ची लगन और मेहनत के दम पर हम सब मिलकर असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

नई जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। हम जानते हैं कि हमें विकास का एक लंबा सफर तय करना है। हमने 2022 तक हर देशवासी को मकान उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। हमने किसानों की आय दोगुनी करने का भी लक्ष्य रखा है। भारत को 5 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने के लिए सरकार ने विस्तृत योजना बनाई है। युवाओं की प्रतिभा का बेहतर उपयोग हो सके इसलिए हम स्टार्ट-अप के क्षेत्र में विश्व के मंच पर भारत को नई पहचान दिलाना चाहते हैं।

हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जनभागीदारी के जरिए विकास को गति देने के लिए हम पूर्ण रूप से समर्पित हैं। प्रगतिशील, विकासोन्मुखी और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के जरिए हम सशक्त, समृद्ध और संपन्न भारत के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित हैं।

आपका

(नरेन्द्र मोदी)

श्री देशपाल सिंह राठौर
23/672, भूतल, डी. डी. ए. फ्लैट
मदनगीर, नई दिल्ली- 110062

वेणु राजामणि
राष्ट्रपति के प्रेस सचिव
Venu Rajamony
Press Secretary to the President

राष्ट्रपति सचिवालय,
राष्ट्रपति भवन,
नई दिल्ली -110004
President's Secretariat,
Rashtrapati Bhavan,
New Delhi -110004

संदेश

भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली द्वारा कान्सटीट्यूशन क्लब, विट्ठल भाई पटेल हाउस, रफी मार्ग, नई दिल्ली में नौवें हिंदी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन 2012 का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका' का प्रकाशन भी किया जा रहा है। उम्मीद है कि स्मारिका में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए उपयोगी एवं सुरुचिपूर्ण सामग्री प्रकाशित होगी।

राष्ट्रपति जी इस स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

वेणु राजामणि

राष्ट्रपति के प्रेस सचिव

Tel. : +91-11-23016535 (Direct), 23015321 Extn 4322, Fax 23794498, E-mail-press.secy@rb.nic.in, presssecyrb@gmail.com

अर्चना दत्ता (मुखोपाध्याय)
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी (जन सम्पर्क)
Archana Datta
(Mukhopadhyay)
OSD (PR) to the President

राष्ट्रपति सचिवालय,
राष्ट्रपति भवन,
नई दिल्ली -110004
President's Secretariat,
Rashtrapati Bhavan,
New Delhi -110004

सं. : 8 एम.एच./2011 दिनांक : 05 सितम्बर, 2011

प्रिय श्री राठौर जी,

कैप्टन जयनारायण प्रसाद निषाद, संसद सदस्य, लोक सभा के दिनांक 24.08.2011 के पत्र साथ महामहिम राष्ट्रपति जी को प्रेषित आपका दिनांक 23.08.2011 का पत्र प्राप्त हुआ, जिससे ज्ञात हुआ है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति—दिल्ली द्वारा कान्सटीट्यूशन क्लब, विट्ठल भाई हाउस, नई दिल्ली में 26 सितम्बर, 2011 को हिंदी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है। इसके लिए भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील का संदेश पत्र के साथ संलग्न है।

इस पत्र और संदेश के साथ भारत की राष्ट्रपति के अधिकृत फोटोग्राफ का प्रयोग इस संदेश को छापने के दौरान ही किया जाएगा।

संदेश जैसा है वैसा ही प्रयोग करना होगा। इसके पाठ में किसी भी प्रकार का परिवर्तन या परिवर्धन न करें और न ही इसके अनधिकृत प्रयोग की अनुमति है।

सादर,

भवदीया,

(अर्चना दत्ता)

श्री देश पाल सिंह राठौर,
अध्यक्ष,
हिंदी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन 2011,
परिवर्तन जन कल्याण समिति,
17/472, प्रथम तल, डी.डी.ए. फ्लैट,
मदनगीर, नई दिल्ली-110062

Tel. : 011-23016535(Direct), 23015321 Extn 4322, Fax 23794498, E-mail-osdad@rb.nic.in

विशेष कार्याधिकारी (जन सम्पर्क)
Officer on Special Duty (Public Relations)

राष्ट्रपति सचिवालय
राष्ट्रपति भवन
नई दिल्ली -110004
President's Secretariat
Rashtrapati Bhavan
New Delhi - 110004

संदेश

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली 20 सितम्बर, 2009 को 'हिंदी महाकुंभ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन-2009' के अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्रपति जी इस स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हैं।

अ. हेना

विशेष कार्य अधिकारी (जन सम्पर्क)

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA

नई दिल्ली
17 अगस्त, 2012

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि परिवर्तन जनकल्याण समिति द्वारा आगामी 24 सितम्बर, 2012 को नयी दिल्ली में नौवां हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य-सृजन सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर " राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका " भी प्रकाशित की जाएगी।

हमारे देश में कई समृद्ध और प्राचीन भाषाएं हैं। पर हिन्दी सदियों से हमारे देश के बहुसंख्यकों की बोलचाल और वैचारिक आदान-प्रदान की भाषा रही है। इसी दृष्टि से महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता-संग्राम के दौर में जन-जागरण के लिए हिन्दी को माध्यम बनाया। वस्तुतः हिन्दी भारत राष्ट्र के गौरव और अस्मिता का प्रतीक है।

आयोजन और स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक मंगलकामनाएँ।

शुभेच्छु

मीरा कुमार

मीरा कुमार (श्रीमती)

कैप्टन जयनारायण प्रसाद निषाद
संसद सदस्य, लोक सभा
5, बलवन्तराय मेहता लेन,
कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार की दिशा में गोवा में अखिल भारतीय राजभाषा हिंदी सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में **'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2016'** का प्रकाशन भी किया जाएगा।

राजभाषा हिन्दी जन–जन की भाषा है और उसका प्रचार–प्रसार एवं भूमिका वास्तव में भारत की एकता को ही सुदृढ़ करता है। मेरा ऐसा मानना है कि वह दिन दूर नहीं जब देश के हर क्षेत्र में सभी सरकारी एवं व्यावसायिक कार्य अपनी राजभाषा हिन्दी में होंगे।

मैं इस अवसर पर आपकी संस्था को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं तथा आशा करती हूं कि हिन्दी के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से प्रकाशित की जाने वाली यह स्मारिका अपने उद्देश्यों में सफल सिद्ध हो।

(सुमित्रा महाजन)

श्री देश पाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष एवं आयोजक
परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली
23/672, भूतल, डीडीए फ्लैट
मदनगीर, नई दिल्ली–110062.

अमित शाह
AMIT SHAH

सत्यमेव जयते

D.O. No.

गृह मंत्री
भारत
HOME MINISTER
INDIA

दिनाँक: 26 जून, 2019

श्री देशपाल सिंह जी,

मेरे गृह मंत्री नियुक्त होने पर आपके द्वारा प्रेषित शुभेच्छा–पत्र प्राप्त कर प्रसन्नता हुई, धन्यवाद।

माननीय प्रधानमन्त्री जी द्वारा मुझे गृहमंत्री के रूप में अपने मंत्रीमण्डल में सम्मिलित किया जाना मेरे लिए गौरवपूर्ण एवं सम्मानजनक है। मैं गृह मंत्री के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा सहित सभी विषयों को पूरी तन्मयता से पूरा करने के लिए कटिबद्ध हूँ।

देशवासियों का आशीर्वाद एवं प्रेम मेरे लिए प्रेरणावर्द्धक एवं शक्तिपुंज है। आपकी शुभेच्छाएँ एवं स्नेह मेरे लिए मजबूत आधार हैं। आपकी शुभकामनाओं के प्रति मैं विनम्र साधुवाद व्यक्त करता हूँ।

धन्यवाद ।

भवदीय,

(अमित शाह)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
परिवर्तन जन कल्याण समिति दिल्ली,
23/672, भूतल, डी.डी.ए. फ्लैट, मदनगीर,
नई दिल्ली – 110 062

Office : Ministry of Home Affairs, North Block, New Delhi-110001
Tel. : 23092462, 23094686, Fax : 23094221
E-mail : hm@nic.in

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

प्रिय श्री देशपाल सिंह राठौर जी,

मेरे द्वारा लोकसभा क्षेत्र-हरिद्वार से पुनः जीत दर्ज करने पर आपका आत्मिय, ऊर्जावान एवं मंगलमय भावों से परिपूर्ण बधाई पत्र प्राप्त हुआ।

आपकी भावनाएँ सकारात्मक ऊर्जा एवं सक्रियता प्रदान करने वाली हैं।

मैं आपकी मंगलमयी भावनाओं का आभार स्वीकार करते हुए हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद प्रेषित करता हूँ।

सादर,

भवदीय,

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

श्री देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
परिवर्तन जन कल्याण समिति-दिल्ली (पंजी.),
23/672, भूतल, डी.डी.ए. फ्लैट,
मदनगीर, नई दिल्ली-110062

स्वच्छ भारत

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा।

Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.hrd@gov.in

स्वप्नील एम. नाईक, आई.ए.एस.
Swapnil M. Naik, I.A.S.

सत्यमेव जयते

D.O. No. 111/PS/MoS/Def/2019

निजी सचिव
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध
सोवा-रिग्पा एवं होम्योपैथी-(आयुष) मंत्रालय
एवं रक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार

PRIVATE SECRETARY
MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) FOR
AYURVEDA, YOGA & NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA
SOWA-RIGPA, HOMOEOPATHY-(AYUSH) & DEFENCE
GOVERNMENT OF INDIA

15 जुलाई, 2019

प्रिय श्री राठौर जी,

मुझे आपका दिनांक 17 जून, 2019 का श्री श्रीपाद नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय एवं रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार को संबोधित बधाई संदेश प्राप्त हुआ। पत्र में व्यक्त भावनाओं के लिए मैं आपको हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

आपका

(स्वप्नील एम. नाईक)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
23/672, भूतल, डी.डी.ए. फ्लैट,
मदनगीर, नई दिल्ली।
पिन– 110062

Office : 103, AYUSH Bhawan, B-Block, GPO Complex, INA, New Delhi-110023 Tel. : 011-24651955, 011-24651935 Fax : 011-24651936
E-mail : swapnil.naik@gov.in
Ministry of Defence : 114-A, South Block, New Delhi-110011, Tel : 011-23792128, Fax : 011-23016255

जितेन्द्र असाटी
मंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव

मंत्री कार्यालय
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस ;
इस्पात मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली
Minister's Office Petroleum & Natural Gas ;
Steel
Government of India
New Delhi

अ०शा० पत्र सं० एमओपीएनजी/2019/85676
दिनाँक: 24/6/19

प्रिय श्री देशपाल सिंह राठौर जी,

आपका दिनांक 17 जून, 2019 का पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें आपने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री तथा इस्पात मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर उनको बधाई दी है।

2. मंत्री जी ने आपकी शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया है।

सादर,

आपका,
जितेन्द्र असाटी
(जितेन्द्र असाटी)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
पूर्व विशेष आमंत्रित सदस्य,
हिन्दी सलाहकार समिति,
इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार
23/672, भूतल, डी.डी.ए. फ्लैट,
मदनगीर, नई दिल्ली- 110062

#GiveItUp
Feel the Joy of Giving

संतोष कुमार गंगवार
Santosh Kumar Gangwar

सत्यमेव जयते

D.O. No. 4(4)/MOS(IC)L&E/VIP/2019

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार
Minister of State Labour & Employment
(Independent Charge)
Government of India

24 JUN 2019

श्री देशपाल सिंह राठौर जी,

वर्तमान सरकार में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के दायित्व निर्वहन के लिए आपके द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(संतोष कुमार गंगवार)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
23/672, भूतल, डीडीए फ्लैटस,
मदनगीर, नई दिल्ली-110062

120, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली - 110001 दूरभाष : +91-11-23717515, 23710240 फैक्स : +91-11- 23711708
120, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110001 Phone : +91-11-23717515, 23710240 Fax : +91-11- 23711708

संतोष कुमार गंगवार
SANTOSH KUMAR GANGWAR

सत्यमेव जयते

वस्त्र राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार
नई दिल्ली-110 011
Minister of State for Textiles
(Independent Charge)
Government of India
New Delhi-110 011

02 सितम्बर, 2015

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि संस्था परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली द्वारा हिंदी के प्रचार–प्रसार का बारहवां "हिंदी दिवस सम्मान समारोह–2015" का आयोजन किया जा रहा है, तथा इस अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2015' का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

हिंदी भाषा हमारे देश की संस्कृति और सभ्यता को दर्शाती है, इतना ही नहीं देश के स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी भाषा ने पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम बड़ी सहजता से किया था। महाकुंभ और साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन, 2015 के शुभअवसर पर सभी लोगों को बधाई देता हूँ। समिति द्वारा हिन्दी के उत्थान के लिये किये जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

आयोजन की सफलता तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु संगठन के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

(संतोष कुमार गंगवार)

कमरा नं. 129, डी-विंग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 दूरभाष : 23061385, 23063779 फैक्स : 23061575 टेलीफैक्स : 0581-2545555
Room No. 129, D-Wing, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 Tel : 23061385, 23063779 Fax : 23061575 Telefax : 0581-2545555

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

सत्यमेव जयते
सर्वेसन्तु निरामया

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HEALTH & FAMILY WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

एफ.टी.एस. 248/MOS/2019

25 जून, 2019

प्रिय श्री राठोर जी,

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप मे पदासीन होने पर आपकी ओर से दी गयी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

आपको भी मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। आशान्वित हूँ कि आपका स्नेह ओर सहयोग मुझे निरंतर मिलता रहेगा।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

अश्विनी कुमार चौबे

श्री देशपाल सिंह राठोर
संस्थापक अध्यक्ष
पत्राचार- 23/672, भूतल,
डी.डी.ए. फ्लैट, मदनगीर,
नई दिल्ली-110062

Office : 250, 'A' Wing,
Nirman Bhavan, New Delhi-110 011
Tel. : 011-23061016, 011-23061551
Telefax : 011-23062828
E-mail : moshealth.akc@gov.in

Residence :
30, Dr. APJ Abdul Kalam Road,
New Delhi - 110003
Tel. : 011-23794971, 23017049

MOS/Home(R) 970841/41/2017

किरेन रीजीजू
KIREN RIJIJU

सत्यमेव जयते

गृह राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HOME AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

23 MAR 2017

आदरणीय प्रसन्न कुमार पाटसाणी जी,

आपका पत्रांक M.P.L.S. VIP /2017/PS/10 दिनांक 16 मार्च, 2017 मिला जिसके तहत आपने श्री देशपाल सिंह राठौर को वित, ऊर्जा, पेट्रोलियम अथवा किसी अन्य मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति सदस्य नामित करने हेतु अनुरोध किया है।

सादर,

आपका,

(किरेन रीजीजू)

श्री प्रसन्न कुमार पाटसाणी,
संसद सदस्य (लोकसभा),
11, महादेव रोड,
नई दिल्ली –110001

Office : Room No. 127, North Block, New Delhi-110 001 Tel. : 23094054 Fax : 23093549

सत्यमेव जयते

श्रीप्रकाश जायसवाल
SRIPRAKASH JAISWAL

अ.शा.प.सं. 598/पी.आई.पी./गृ.रा.मं(जे)/2007
D.O. No. 598 ..../PIP/MOS (J) 2007

राज्य मंत्री
गृह मंत्रालय
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK, NEW DELHI-110001

2 7 AUG 2007

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति दिल्ली की संस्था कार्यकारिणी द्वारा हिन्दी माह के अवसर दिनांक 27 सितम्बर, 2007 को विश्व पर्यटन दिवस के दिन त्रिवेणी कला संगम सभागार नई दिल्ली में हिन्दी का अलख जगाने हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह एक सराहनीय प्रयास है। राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने में हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मैं इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं।

(श्रीप्रकाश जायसवाल)

देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
परिवर्तन जन कल्याण समिति,
36, एन्ड्रयूज गंज बाजार,
नई दिल्ली

डा0 शकील अहमद
ڈاکٹر شکیل احمد
DR. SHAKEEL AHMAD

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री
भारत सरकार
संचार भवन, नई दिल्ली-110 001
MINISTER OF STATE FOR
COMMUNICATIONS & INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA
SANCHAR BHAWAN, NEW DELHI-110 001

21 SEP 2007

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में **राष्ट्रभाषा भारती, स्मारिका 2007** का प्रकाशन किया जा रहा है।

भारत एक बहुभाषी आयामी राष्ट्र है, जहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। इन सब भाषाओं नें हिन्दी बोलने व समझने वालों की संख्या सबसे अधिक होने के कारण भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को इसे राजभाषा व राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया है। इस विशाल, बहु-आयामी और बहुभाषी राष्ट्र को एक मंच पर लाने और स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी का सम्पर्क भाषा के रूप में बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह हमारी राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और मेल-मिलाप की भाषा है। राष्ट्रभाषा के विकास से ही देश का साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास संभव है। सामाजिक विकास से जनता और प्रशासन की दूरियां कम होती हैं और राष्ट्रीय एकता मजबूत होती है। विज्ञान तथा संचार व सूचना प्रौद्योगिकी के युग में कारोबार के क्षेत्र में हिन्दी निजी एवं सरकारी संस्थानों में संपर्क भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राजभाषा भारती-स्मारिका 2007 के सफल प्रकाशन के लिए मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

शकील अहमद

(डॉ. शकील अहमद)

डा0 शकील अहमद
ڈاکٹر شکیل احمد
DR. SHAKEEL AHMAD

सं0 ..../सं० सू० प्रौ० रा० मं०/200
No. 40 ..../MOS (C&IT)/2006
संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री
भारत सरकार
संचार भवन, नई दिल्ली-110 001
MINISTER OF STATE FOR
COMMUNICATIONS & INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA
SANCHAR BHAWAN, NEW DELHI-110 001

04 JUL 2006

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली के तत्वावधान में हिन्दी दिवस के अवसर पर दिनांक 15 व 16 सितम्बर, 2006 को नई दिल्ली में 'हिन्दी कुम्भ-2006' का आयोजन किया जा रहा है।

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। इस विशाल बहुभाषी राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने में हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत के अधिकांश लोगों द्वारा हिंदी बोली जाती है। विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी सभी भाषा-भाषियों को एकसूत्र में पिरोने में संपर्क भाषा का कार्य कर रही है। संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। लोकतंत्र के विकास के लिए लोकभाषा एवं राजभाषा का विकास बहुत जरूरी है।

मैं संस्था को 'हिन्दी कुम्भ-2006' के आयोजन के लिए अपनी ओर से शुभकामनाएं तथा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं जन कल्याण की दिशा में विक्लांगों के उत्थान हेतु संस्था द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

(डॉ. शकील अहमद)

श्रीप्रकाश जायसवाल
SRIPRAKASH JAISWAL

राज्य मंत्री
गृह मंत्रालय
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK, NEW DELHI-110001

अ.शा.प.सं. 1368/वी.आई.पी. रा.म.(जे)/2006
D.O.No. ..../VIP/MOS (J) 2006

06 JUL 2006

सं दे श

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ है कि संस्था कार्यकारिणी द्वारा नई दिल्ली में 15 व 16 सितम्बर, 2006 को हिन्दी का अलख जगाने हेतु " **हिन्दी कुम्भ -2006** आयोजित किया जा रहा है और इस अवसर पर एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है । हिन्दी राष्ट्रीय एकता की मजबूत कड़ी है, हिन्दी स्वाधीन भारत की राजभाषा है इसका अधिक से अधिक प्रयोग होना चाहिए । हिन्दी के प्रयोग से ही भारतीय संस्कृति धर्म तथा दर्शन सुरक्षित रह सकते हैं । मुझे आशा है कि ऐसे आयोजनों से हिन्दी को बढ़ावा मिलेगा और हिन्दी में अपना सरकारी कामकाज करने में लोगों को प्रेरणा मिलेगी । यह एक सराहनीय प्रयास है ।

इस अवसर पर मैं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं ।

(**श्रीप्रकाश जायसवाल**)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
36, एन्ड्रयूजगंज बाजार,
नई दिल्ली-49

D.O.No. 1786 MOS/J/04

SRIPRAKASH JAISWAL

राज्य मंत्री
गृह मंत्रालय
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK, NEW DELHI-110001

24 DEC 2004

सं दे श

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, नई दिल्ली दि0 3 दिसम्बर, 2004 को विकलांग दिवस के अवसर पर **" परिवर्तन स्मारिका -2004 "** का प्रकाशन कर रहा है । यह एक सराहनीय प्रयास है । मुझे आशा है कि यह संस्था विकलांगों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने एवं उनके पुनर्वास के लिये प्रयत्नशील रहते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगी ।

मैं इस संस्था से जुड़े सभी पदाधिकारियों/सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं ।

(श्रीप्रकाश जायसवाल)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
अध्यक्ष, परिवर्तन जन कल्याण समिति,
36, एन्ड्रयूजगंज मार्किट,
नई दिल्ली-49

CHATURANAN MISHRA
FORMER UNION AGRICULTURE MINISTER

23, Meena Bagh,
New Delhi-110 011
Phone : 23792797

दिनांकः 29.06.2006

श्री देशपाल सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष
परिवर्तन जन कल्याण समिति–दिल्ली

प्रिय राठौर जी,

मुझे इस बात से बहुत प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति–दिल्ली हिन्दी कुम्भ–2006 आयोजित कर रही है। हिन्दी के विकास के लिए यह जरूरी है कि इस तरह का प्रयास किया जावे। आजादी की लड़ाई में जो परिकल्पना की गई थी कि स्वतंत्र भारत में हिन्दी का ऐसा विकास किया जावेगा कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके । भारतीय संविधान की अनुच्छेद–351 में इसका प्रावधान भी किया गया है।

ऐसा नहीं होने से हिन्दी का जैसा विकास होना चाहिए वह नहीं हो रहा है। यहाँ तक कि हिन्दी और उर्दू में पहले वर्णमाला का ही मतभेद था, लेकिन हिन्दी उर्दू का ऐसा विकास हो रहा है कि हिन्दी उर्दू का भी भेद गहरा होता जा रहा है।

मैं चाहता हूँ कि हिन्दी के देश व्यापी विकास के लिए और अन्तराष्ट्रीय मान्यता के लिए परिवर्तन जन कल्याण समिति–दिल्ली प्रयास करें एवं इस कार्य में सफल हो।

भवदीय,

(चतुरानन मिश्रा)

दि. २७-०८-२०१३

संदेश

साहित्य सृजन समाज का दर्पण है। निष्ठावान और ओजस्वी राष्ट्रीय साहित्यकार की कल्पना बिजली जैसी चमकीली तेज रफ्तार से मानवी के मन को जागृत करती है। मानव चित्त में चिनगारी प्रगट करते हुए समाज में उजाला फैलाती है। देश को आज़ादी दिलाने में राष्ट्रीय शायरों और साहित्यकारों की अनूठी भूमिका रही थी। साहित्य सृजन समाज में निर्मल जल की तरह निरंतर बहता है। जो निजानंद की प्राप्ति भी करवाता है।

ऐसे जाने माने साहित्यकारों का सम्मान करने हेतु **दशम हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन-२०१३** का आयोजन हो रहा है यह साहित्यकारों के लिए बडी खुशी की बात है। उस विद्वत्तयोग अवसर पर **राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका-२०१३** का प्रकाशन हो रहा है यह जानकर प्रसन्नता हुई।

दशम हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामना। धन्यवाद।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

प्रति,
श्री देशपालसिंह राठौर, अध्यक्ष,
हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन,
१७/४७२, प्रथम तल, डी. डी. ए. फ्लैट,
मदनगीर, नई दिल्ली-११००६२.
Email : ceoparivartan@gmail.com
dpsinghrathore@gmail.com

नरेन्द्र मोदी
मुख्य मंत्री, गुजरात राज्य

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

D.O. No. CMH-2015/..........

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH.

Dated 28-8-2015

सन्देश

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली द्वारा 12वें हिन्दी दिवस सम्मान समारोह–2015 का आयोजन 16 सितम्बर, 2015 को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में किया जा रहा है ।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिन्दी ने देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने में अहम भूमिका निभाई थी । महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल और लाला लाजपत राय द्वारा हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए किए गए प्रयासों के फलस्वरूप ही आज हिन्दी हमारी राष्ट्रीय भाषा है । इस भाषा में नवीन शब्दों के निर्माण की क्षमता और अन्य भाषाओं के शब्दों को ग्रहण करने की उदारता भी है, जिसका हमें पूरा लाभ उठाना चाहिए । हम सभी का यह संवैधानिक कर्त्तव्य है कि हम अपने रोज़मर्रा के कामकाज में हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करें ।

ऐसे समारोह हिन्दी भाषा के अधिक से अधिक प्रयोग एवं लोगों तक इसकी पहुंच बढ़ाने की दिशा में किये जा रहे ठोस प्रयास हैं । मुझे आशा है कि इस अवसर पर प्रकाशित की जा रही 'राष्ट्र भाषा भारती स्मारिका 2015' हिन्दी भाषा के प्रचार में सहायक सिद्ध होगी ।

मैं 12वें हिन्दी दिवस सम्मान समारोह–2015 की सफलता की मंगल कामना करता हूँ ।

मनोहर लाल

(मनोहर लाल)

नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री
बिहार

आवास : 7, सर्कुलर रोड
(कौटिल्य मार्ग), पटना
पटना - 800001

पत्रांक .....

दिनांक : 24.8.2015

सं दे श

यह हर्ष का विषय है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली द्वारा हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार के बारहवें कार्यक्रम 'हिंदी दिवस सम्मान समारोह-2015' के अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2015' का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राजभाषा और भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। चीनी भाषा के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

हिन्दी और इसकी बोलियाँ उत्तर एवं मध्य भारत के विविध राज्यों में बोली जाती हैं। भारत और अन्य देशों में ६० करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं । फ़िजी, मॉरिशस, गयाना, सूरीनाम की अधिकतर और नेपाल की कुछ जनता हिन्दी बोलती है।

हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, जनभाषा के सोपानों को पार कर विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है। भाषा विकास क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी हिन्दी प्रेमियों के लिए बड़ी सन्तोषजनक है कि आने वाले समय में विश्वस्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की जो चन्द भाषाएँ होंगी उनमें हिन्दी भी प्रमुख होगी।

समारोह की सफलता एवं 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2015' की सार्थकता के लिए मेरी शुभकामनाएं।

(नीतीश कुमार)

अरविन्द केजरीवाल
मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई०पी०एस्टेट,
नई दिल्ली–110002
ऑफिस–23392020, 23392030
फैक्स – 23392111

अ.शा. पत्र संख्या : OSD(MI)/30385
दिनाँक 28.08.2015

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि संस्था **परिवर्तन जन कल्याण समिति–दिल्ली** दिनांक 16 सितम्बर 2015 को हिंदी प्रचार प्रसार के 12वें कार्यक्रम 'हिंदी दिवस सम्मान समारोह 2015' के अवसर पर **'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2015'** का प्रकाशन करने जा रही है। आशा है स्मारिका समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ भेजता हूँ।

(अरविन्द केजरीवाल)

सत्यमेव जयते

मुख्य मंत्री
राजस्थान

03 SEP 2013

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली के तत्वावधान में 27 सितम्बर, 2013 को 'दशम हिंदी महाकुम्भ एवं साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन–2013' का आयोजन और इस अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2013' का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिन्दी भाषा के साहित्य सेवियों के सम्मेलन और हिन्दी साहित्य में उच्चकोटि के रचनाकारों का सम्मान अपने आप में महत्वपूर्ण है। इससे अन्य साहित्यकारों और विशेषकर नई पीढ़ी को साहित्यसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

आशा है इस सम्मेलन के कार्यक्रम राष्ट्रभाषा हिन्दी के महत्व को बढ़ाने के साथ इसे जन–जन की भाषा बनाने में सहायक होंगे।

मैं सम्मानित साहित्य सृजकों को बधाई देते हुए इस सम्मेलन के आयोजन और स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

मुख्य मंत्री
राजस्थान

7 SEP 2012

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली के तत्वावधान में 24 सितम्बर, 2012 को 'नौवें हिन्दी महाकुम्भ एवं साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन' का आयोजन एवं 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2012' का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिये ऐसे सम्मेलन अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। इससे भाषा विशेषज्ञों एवं साहित्यकारों में परस्पर सम्पर्क एवं सम्बन्ध विकसित करने और राष्ट्रभाषा हिन्दी को जन–जन की भाषा बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श का अवसर मिलता है।

मैं इस सम्मेलन के आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

सत्यमेव जयते

वसुन्धरा राजे

मुख्यमंत्री राजस्थान

संदेश

हर्ष का विषय है कि परिवर्तन जनकल्याण समिति–दिल्ली, इस वर्ष हिन्दी प्रचार–प्रसार के लिए बारहवें कार्यक्रम का आयोजन एवं 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2015' का प्रकाशन करने जा रही है।

हिन्दी की वैश्विक पहचान उसकी सुव्यवस्थित और स्पष्ट व्याकरण के साथ–साथ अपवादहीन नियमावली के कारण बनी है। वैज्ञानिक देवनागरी लिपि के साथ हिन्दी भाषा के माध्यम से हृदय की भावनाओं को भलीभांति प्रकट किया जा सकता है। सच बात तो यह है कि हिन्दी की निर्मल नदी में दूसरी भाषाओं के शब्द भी स्वीकार्य हैं जिससे यह जीवंत बनी हुई है। हिन्दी की प्रतिष्ठा सर्वमान्य और सर्वव्याप्य हो इसके लिए हिन्दी भाषियों को प्रयत्नशील रहने की आवश्यकता है।

मैं परिवर्तन जनकल्याण समिति–दिल्ली, के हिन्दी प्रचार–प्रसार के कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2015 के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं।

वसुन्धरा राजे

(वसुन्धरा राजे)

हरीश रावत

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून-248001
फोन : 0135-2755177 (का.)
0135-2650433
फैक्स : 0135-2712827

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जनकल्याण समिति द्वारा हिन्दी दिवस सम्मान समारोह–2015 के अवसर पर "राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2015" का प्रकाशन किया जा रहा है।

स्मारिका में प्रकाशित लेख पाठकों के लिए उपयोगी होंगे, ऐसी आशा है।

समारोह के सफल आयोजन तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

(हरीश रावत)

श्री देश पाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष एवं आयोजक
हिन्दी दिवस सम्मान समारोह
23/672, भूतल, डी0डी0ए0
मदनगीर, नई दिल्ली–110062

अखिलेश यादव

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लाल बहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ

दिनांक : 21 सितम्बर, 2012

संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली द्वारा दिनांक 24 सितम्बर, 2012 को हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका 2012' का प्रकाशन भी किया जाएगा।

किसी भी राष्ट्र व समाज की पहचान उसकी राष्ट्रभाषा से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है। यह खुशी की बात है कि इसका प्रचार–प्रसार अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। मुझे आशा है कि हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार में सहायक सिद्ध होगा।

सम्मेलन के सफल आयोजन एवं स्मारिका के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(अखिलेश यादव)

अखिलेश यादव

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लाल बहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ

दिनांक : 11 सितम्बर, 2013

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि परिवर्तन जनकल्याण समिति, दिल्ली द्वारा दिनांक 27 सितम्बर, 2013 को हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन–2013 के अवसर पर 'राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिन्दी आमजन की भाषा है। सम्पर्क भाषा के रूप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्था द्वारा भी हिन्दी को मान्यता दिए जाने से यह एक अन्तर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में भी उभरकर सामने आ रही है। मैं आशा करता हूँ कि स्मारिका में ऐसी सामग्री का समावेश किया जायेगा, जिससे हिन्दी के प्रचार–प्रसार में सहायता मिलेगी।

स्मारिका के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(अखिलेश यादव)

शीला दीक्षित
मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई. पी. एस्टेट,
नई दिल्ली–110113
फोन : 23392020, 23392030 फैक्स : 23392111
अ.शा. पत्र संख्या : CM0/2231
दिनांक : 17/09/2012

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि परिवर्तन जन कल्याण समिति दिल्ली 24 सितम्बर, 2012 को **हिंदी महाकुम्भ** व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। इस अवसर पर **राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2012** का प्रकाशन भी होना है। आशा है सम्मेलन हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार में अपनी रचनात्मक भूमिका अदा करेगा।

मैं हिन्दी सम्मेलन की सफलता के साथ–साथ स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

शीला दीक्षित

(शीला दीक्षित)

सत्यमेव जयते

शीला दीक्षित
मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

अ.शा. पत्र संख्या : cmo/23240
दिनांक : 06.09.2011

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि **परिवर्तन जन कल्याण समति, दिल्ली** आगामी 26 सितम्बर, 2011 को **हिंदी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन** का आयोजन करने जा रही है। इस अवसर पर **राष्ट्रभाषा भारतीय स्मारिका-2011** का प्रकाशन भी किया जा रहा है। आशा है सम्मेलन हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में सहायक सिद्ध होगा।

सम्मेलन के सफल आयोजन तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

शीला दीक्षित

(शीला दीक्षित)

फोन : ऑफिस - 23392020, 23392030 फैक्स : 23392111

प्रेम कुमार धूमल
मुख्य मन्त्री

एलर्जली
शिमला-171 002

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति द्वारा 24 सितम्बर, 2012 को दिल्ली में हिन्दी प्रचार-प्रसार के नौवें कार्यक्रम 'हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान' सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर राष्ट्र भाषा भारतीय स्मारिका-2012 का प्रकाशन भी किया जा रहा है। मैं, समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस अवसर पर बधाई देता हूं।

हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है, जो समूचे राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम है। यह भाषा हमारी पहचान है और हम सभी को इस भाषा का संवाद तथा संचार में प्रयोग करने में गर्व की अनुभूति होती है। किसी भी राष्ट्र के लिए यह गौरव की बात होती है कि उनकी भाषा का प्रचार-प्रसार न केवल देश की सीमाओं के भीतर अपितु विश्व के अन्य देशों तक भी हो और हिन्दी निःसन्देह ऐसी ही भाषा है, जिस पर विश्वभर में शोध चल रहा है। हिन्दी भाषा जहां बोलने और लिखने में सरल है, वहीं इसे आम आदमी की भाषा भी कहा जाता है। यदि हम अपने संवाद में तथा दिनचर्या में हिन्दी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को भी ऐसी ही प्रेरणा मिलेगी और हमारा समूचा राष्ट्र भाषायीय एकसूत्र में बंध कर सुदृढ़ हो सकेगा।

मैं, आशा करता हूं कि सम्मेलन में जहां हिन्दी साहित्य सृजन में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, वहीं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से गैर-हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने पर भी विचार-विमर्श होगा।

सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रेम धूमल

(प्रेम कुमार धूमल)

वीरभद्र सिंह

मुख्य मन्त्री
हिमाचल प्रदेश
शिमला-171002
दूरभाष: (का0) +91-177-2625400
(आ0) +91-177-2621384
+91-177-2808600
फैक्स : +91-177-2625011
ईमेल : cm-hp@nic.in

संदेश

यह प्रसन्नता कि बात है कि परिवर्तन जन कल्याण समिति, दिल्ली 27 सितम्बर, 2013 को हिन्दी प्रचार-प्रसार के दसवें कार्यक्रम 'हिन्दी महाकुम्भ व साहित्य सृजन सम्मान सम्मेलन-2013' का आयोजन करने जा रही है और इस अवसर पर राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

हिन्दी भाषा हमारी उपलब्धियों, सभ्यता और सांस्कृतिक विकास की आधारशिला है। यह देश में सर्वाधिक और विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के लिए और अधिक प्रयास हों, ताकि विश्व स्तर पर इसे उचित गौरव प्राप्त हो सके।

मैं संस्था को इस सम्मेलन के आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि राष्ट्र भाषा हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में यह सम्मेलन उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(वीरभद्र सिंह)

Apro/Ug/2015/08/19/JCB

दि. 19-08-2015

संदेश

किसी भी राष्ट्र की सभ्यता एवं संस्कृति का संवर्धन मात्र और मात्र उस राष्ट्र की जन भाषा के माध्यम से ही संभव हो सकता है। हिन्दी भाषा में हमारी आत्मा रची-बसी है। इसी भाषा ने हमारे राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के अन्तर्गत हम भारतवासियों को एक सूत्र में बाँधने की अहम भूमिका निभाई है। **हिन्दी भाषा** हमारी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय भावना की प्रतीक है।

अतीव प्रसन्नता का विषय है कि **परिवर्तन जन कल्याण समिति दिल्ली (पंजीकृत)** दिनाँक दिनाँक **16 सितम्बर 2015** को हिंदी भाषा के प्रचार- प्रसार हेहेतु 12 वें कार्यक्रम हिन्दी दिवस सम्मान समारोह 2015 के पुनीत अवसर पर **राष्ट्र भाषा भारती स्मारिकास्मारिका 2015** का प्रकाशन कर रही है।

मैं, इस सासारस्वत उपक्रम की सराहना करते हुए, आयोजकों को बधाई देती हूँ तथा **स्मारिका** की भव्य सफलता के लिए शुभ कामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन.

(आनंदीबेन पटेल)

To,
Shree Desh Pal Singh Rathore, *Founder President & Convenor,*
12th Hindi Divas Sanman Samaroh 2015,
23/672, Ground Floor,
D. D. A. Flat, Madangir,
New Delhi-110062.
Email:ceoparivartan@gmail.com
dpsinghrathore@gmail.com

आनंदीबेन पटेल
मुख्य मंत्री, गुजरात राज्य

हरीश रावत

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून-248001
फोन : 0135-2755177 (का.)
0135-2650433
फैक्स : 0135-2712827
संख्या 40 20.1/मु.म.का./00000V-5/15
दिनांक 02-09-2015

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि परिवर्तन जनकल्याण समिति द्वारा हिन्दी दिवस सम्मान समारोह–2015 के अवसर पर "राष्ट्रभाषा भारती स्मारिका–2015" का प्रकाशन किया जा रहा है।

स्मारिका में प्रकाशित लेख पाठकों के लिए उपयोगी होंगे, ऐसी आशा है।

समारोह के सफल आयोजन तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

(हरीश रावत)

श्री देश पाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष एवं आयोजक
हिन्दी दिवस सम्मान समारोह
23/672, भूतल, डी0डी0ए0
मदनगीर, नई दिल्ली–110062

रामजी लाल सुमन

सांसद (लोक सभा) फिरोजाबाद, उ.प्र.

राष्ट्रीय महासचिव, समाजवादी पार्टी
उपनेता, समाजवादी पार्टी संसदीय दल
सदस्य, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति
सदस्य, सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति
सदस्य, लोक सभा की कार्य मंत्रणा समिति
सदस्य, उत्तर मध्य रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति
सदस्य, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सम्बन्धी स्थायी समिति
सदस्य, पर्यावरण और वन मंत्रालय के लिए परामर्शदात्री समिति
सदस्य, भारत सरकार की क्षेत्रीय प्रत्यक्ष कर सलाहकार समिति

सत्यमेव जयते

3, फिरोजशाह रोड
नई दिल्ली-110 001
दूरभाष (011) 23782642
टैली-फैक्स (011) 23782208

1/1, संजय प्लेस
आगरा (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष (0562) 2851088, 2524535
email : rsuman@sansad.nic.in

Ref. No. RLS/VIP/07/265

7 सितंबर, 2007

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि हिन्दी माह के उपलक्ष्य में दिनांक 27 सितंबर 2007 को विश्व पर्यटन दिवस के दिन आपकी संस्था 'परिवर्तन जन कल्याण समिति' हिन्दी का अलख जगाने हेतु एक संगोष्ठी का आयोजन कर रही है।

पर्यटन, भारतीय संस्कृति एवं हिन्दी का विदेशों में प्रचार करने का एक बहुत सशक्त माध्यम है। हिन्दी जन जन की भाषा बने यही मेरी कामना है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी शुभकामना स्वीकार करें।

(रामजी लाल सुमन)

श्री देश पाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष
'परिवर्तन जन कल्याण समिति'
36 एन्ड्रयूज गंज बाजर,
नई दिल्ली–110049

रघुराज सिंह शाक्य
संसद सदस्य
(लोक सभा)
इटावा (उ.प्र.)

सदस्य - स्थायी समिति — रक्षा
सदस्य - सलाहकार समिति — जल संसाधन मंत्रालय

60 - बी, फ्रेंडस कालोनी,
निकट रेलवे स्टेशन, इटावा
दूरभाष : 05688 - 265363
फैक्स : 05688 - 266400

160, नार्थ एवेन्यू,
नई दिल्ली - 110001
दूरभाष : 011 - 23093830

दिनांक : 25.07.2006

प्रिय राठौर जी

संदेश

मान्यवर,

आपका पत्र दिनांक 22.06.2006 को मिला, मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु हिन्दी-कुम्भ का आयोजन सितम्बर में कर रहे हैं। तथा इस पुनीत अवसर पर कार्य कर स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है। हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा होने के बावजूद इसे आज तक शासकीय गलियारों तक भी पहुंचाने नहीं दिया गया है।

अतः हिन्दी कुम्भ के सफल आयोजन के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

सधन्यवाद ।

भवदीय,

(रघुराज सिंह शाक्य)

देशपाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष
36, एन्ड्रयूज गंज बाजार,
नई दिल्ली

चौ० प्रेम सिंह
Ch. Prem Singh

अध्यक्ष, दिल्ली विधान सभा
Speaker, Delhi Vidhan Sabha

पुराना सचिवालय, दिल्ली - 110054
दूरभाष : 23890140, 23890150
फैक्स : 23890375
Old Secretariat, Delhi - 110054
Tel. : 23890140, 23890150
Fax : 23890375

No. F 1(1)/SVS-04/1597
दिनांक : 22 दिसम्बर, 2004

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि विक्लांग दिवस के अवसर पर जन जागृति के लिए "परिवर्तन जन कल्याण समिति" द्वारा 'परिवर्तन स्मारिका-2004' का प्रकाशन किया जा रहा है । इस हेतु आप और इस समिति से जुड़े समस्त सदस्य बधाई के पात्र हैं।

मैं इस स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी हार्दिक शुभ कामनाऐं प्रेषित करता हूँ तथा इसकी सफलता की कामना करता हूँ ।

शुभकामनाओं के साथ,

(चौ. प्रेम सिंह)

श्री देशपाल सिंह राठौर,
अध्यक्ष,
परिवर्तन जन कल्याण समिति,
36, एन्ड्रयूजगंज, नई दिल्ली-49.

डा. योगानन्द शास्त्री
Dr. Yoganand Shastri

अध्यक्ष, दिल्ली विधान सभा
Speaker, Delhi Vidhan Sabha

पुराना सचिवालय, दिल्ली - 110054
दूरभाष : 23890140, 23890150
फैक्स : 23890375
Old Secretariat, Delhi - 110054
Tel. : 23890140, 23890150
Fax : 23890375

फा.सं. 1058

दिनांक 31 /07/2009

प्रिय श्री राठौर जी,

हिंदी रत्न सम्मान वर्ष 2009 के लिए आपका निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ, बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आप सभी महानुभाव ``अंतिम विकल्प, हिंदी मासिक समाचार पत्रिका`` के माध्यम से राष्ट्रभाषा हिंदी के उत्थान के लिए कार्यरत हैं। आपने वर्ष 2009 के हिंदी रत्न सम्मान के लिए मुझे योग्य समझा, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। मैं इस समारोह की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं तथा आशा करता हूं कि आपका यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा।

पुन: समारोह की सफलता के लिए शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(डॉ. योगानंद शास्त्री)

श्री डी.पी. सिंह राठौर,
संस्थापक अध्यक्ष,
सम्पादक सह-प्रकाशक
अंतिम विकल्प, हिंदी मासिक समाचार पत्रिका,
उप-प्रधान, आर्य समाज, मदनगीर,
नई दिल्ली-110062

Member of Parliament
(Lok Sabha)

Raj Babbar

संदेश

दिनांक : 10/07/2006

प्रिय राठौर जी,

आपके पत्र द्वारा यह जानकर हर्ष हुआ कि परिवर्तन जन कल्यान समिती द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर '**हिन्दी कुम्भ 2006**' का आयोजन किया जा रहा है, एवं इस अवसर पर एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

हिन्दी स्वाधीन भारत की राजभाषा है इसका अधिक से अधिक प्रयोग होना चाहिए। हिन्दी के प्रयोग से ही भारतीय संस्कृति, धर्म एवं दर्शन को बढ़ावा मिलेगा एवं हिन्दी में अपना काम-काज करने में लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

हिन्दी कुम्भ 2006 के सफल आयोजन के लिए मैं अपनी सुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

धन्यवाद,

भवदीय

(राज बब्बर)

श्री देशपाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष
36, एन्ड्रयूजगंज बाजार
नई दिल्ली-110049

20, Mahadev Road, New Delhi - 110 001 India
Delhi : Telefax : 91-11-23710151 / 23352728 Mumbai : 91-22-26282819 Fax : 91-22-26248868 Agra : Telefax: 91-562-2120900
E-mail : rajbabbar5@hotmail.com

मंगनी लाल मंडल
संसद सदस्य
(राज्य सभा)
सदस्य : वित्त संसदीय समिति

सी–101, स्वर्णजयंती सदन
डा. विश्वम्भर दास मार्ग
नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 011-23321410
011-23321116

सत्यमेव जयते

पत्रांक : एमएलएम/एमपी/307/06

दिनांक 30/06/06

प्रिय श्री राठौर साहब,

आपका दिनांक 22 जून, 2006 का पत्र मुझे प्राप्त हुआ, जिसके साथ "परिवर्तन स्मारिका-2005" संलग्न थी ।

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि आप ने **"परिवर्तन जन कल्याण समिति-दिल्ली"** के तत्वाधान में **"हिन्दी कुम्भ-2006"** कार्यक्रम 15 व 16 सितम्बर, 2006 को हिन्दी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित करने का संकल्प किया है । आपने अपने पत्र में हिन्दी का संवर्द्धन और संरक्षण करने के ध्येय का उल्लेख किया है । हम और आप भलीभाँति अवगत हैं कि हिन्दी की जैसी दुर्गति आज हो रही है, उस परिस्थिति में अब इसके संरक्षण का ही उपाय ढूँढना ही एक मात्र मार्ग बच गया है । क्योंकि हिन्दी को, हमारी राष्ट्रभाषा होने के बावजूद इसे आज तक शासकीय सचिवालयों के गलियारे तक भी पहुँचने नही दिया गया है । जबकि, हमारी राष्ट्रीयता और राष्ट्रीय अखण्डता हिन्दी के माध्यम से ही संवर्द्धित हो सकती है । राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का यही दृष्टिकोण था और यही यर्थाथ भी है । किन्तु, आज हिन्दी पराजित हो रही है । आपकी संस्था का निश्चित रूप से हिन्दी प्रेमियों के लिए एक शुभसंदेश तथा हिन्दी को राजसिंहासन तक पहुँचाने के लिए एक प्रभावकारी सकारात्मक प्रयास होगा ।

अतः मैं आपके इस **"हिन्दी कुम्भ-2006"** कार्यक्रम के आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामना अर्पित करता हूँ ।

शुभेच्छासहित,

आपका,

(मंगनी लाल मंडल)

सेवा में,
श्री देशपाल सिंह राठौर
संस्थापक अध्यक्ष, परिवर्तन जन कल्याण समिति - दिल्ली
36, एन्ड्रयूजगंज बाजार,
नई दिल्ली - 110049